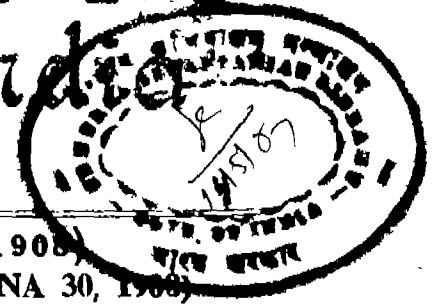




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 12] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 21, 1987 (फाल्गुन 30, 1908)
No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 21, 1987 (PHALGUNA 30, 1908)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate pages is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गयी विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	213	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपाधियाँ भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	213
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	328	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निबंधक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के मंत्रालय और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	2135
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	387	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गयी पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	193
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयामों के प्राधिकार के अधीन प्रकाशित द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक विनियमों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1235
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के विचार तथा रिपोर्टें	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	41
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियाँ आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—प्रेसी और हिन्दी दोनों में तथा और मूल्य के आदेशों को दिशा नत प्रवृत्त	
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं			

कृपया संख्या प्राप्त नहीं हुई ।

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	313	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (III)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	329	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	*	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	2135
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	387	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs ..	193
PART II—SECTION I—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notification issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION I-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1235
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies ..	41
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (I)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc, both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1987

सं० 17-39/85-एल० डी०-I—राष्ट्रपति, हिन्दुस्तान पैकेजिंग कम्पनी लिमिटेड बड़ौदा की संगम की नियमावली के अनुच्छेद 15 द्वारा, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल से तीन वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, हिन्दुस्तान पैकेजिंग कम्पनी लिमिटेड बड़ौदा के निदेशक, मण्डल का निम्नलिखित प्रकार से गठन करते हैं :—

- (1) डा० वी० कूरियन, अंशकालिक अध्यक्ष
अध्यक्ष,
भारतीय डेरी निगम/
राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड।
- (2) संयुक्त सचिव (डेरी विकास) अंशकालिक निदेशक
कृषि और सहकारिता विभाग।
- (3) मि० वेंगट सजोग्रेन, अंशकालिक निदेशक
विकल्पी : श्री के० के० खोसला,
(हिन्दुस्तान पैकेजिंग कम्पनी
लिमिटेड की संगम) की
नियमावली के अनुच्छेद 15(4)
के अधीन तैयार पाक, विकास
लि० का मनोनीत व्यक्ति)
- (4) डा० आर० पी० अनेजा, अंशकालिक निदेशक
प्रबन्ध निदेशक,
भारतीय डेरी निगम

प्रबन्ध निदेशक की नियमित रूप से नियुक्ति किए जाने तक डा० आर० पी० अनेजा तदर्थ आधार पर प्रभारी निदेशक के पद पर भी कार्य करेंगे।

के० जी० कृष्णमूर्ति, उप सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

युवा कार्यक्रम और खेल विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1987

विषय : नेहरू युवा केन्द्र संगठन की स्थापना

संकल्प

सं० एफ 24/1/87-ने० यु० के०—जबकि वर्ष 1972 में शुरू प्रत्येक जिला के लिए एक नेहरू युवा केन्द्र की योजना,

ऐसे ग्रामीण युवाओं को, जिन्हें अन्यथा स्वयं, सामाजिक और राष्ट्रीय विकास के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अवसर नहीं मिलते, को शामिल करने के लिए कार्यक्रमों को शुरू करने और तैयार करने में अत्यन्त उपयोगी पाई गई है;

और जबकि देश में 15-35 वर्ष के आयु वर्ग में युवा जनसंख्या बढ़ रही है और अब यह कुल जन संख्या का लगभग एक तिहाई है, इसलिए विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को अधिक अवसर देने पर अधिक बल देने की आवश्यकता महसूस की गई है;

और जबकि नेहरू युवा केन्द्रों की योजना के कार्यक्रमों ने सफलतापूर्वक भूमिका अदा की है और यह ग्रामीण क्षेत्रों में एकता तथा राष्ट्रीय एकीकरण, अनुशासन, स्वयं सहायता, धर्म निरपेक्षता, प्रजातन्त्र, वैज्ञानिक प्रवृत्ति, सांस्कृतिक परंपरा, कार्यात्मक साक्षरता, ग्रामीण युवाओं में जागरूकता पैदा करने और युवाओं को कार्यकलाप के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अवसर प्रदान करने की धारणा विकसित करने और बनाए रखने तथा सामाजिक परिवर्तन लाने की प्रक्रिया में केन्द्रों द्वारा, चलाई जा सकती है;

और जबकि देशभर में जिला स्तर पर नेहरू युवा केन्द्रों के जरिए ग्रामीण युवाओं के लिए कार्यान्वित किए जा रहे बड़े पैमाने पर, युवा कार्यक्रमों में सुधार लाने और विकसित करने, और खेलों, साहस और अन्य युवा विकास के कार्यक्रमों में युवाओं को नए और युक्तिसंगत अवसर प्रदान करने की भी बहुत आवश्यकता है।

और जबकि इस प्रयोजनार्थ देश में नेहरू युवा केन्द्रों के पर्यवेक्षण, प्रशासन, देखरेख, और कार्यक्रमों के मूल्यांकन के लिए उपयुक्त मशीनरी तैयार की जानी है;

और जबकि सरकार इस बात से संतुष्ट है कि यह लक्ष्य अपेक्षित संसाधन और लचीलेपन से संगठनात्मक संरचना की स्थापना के जरिए ही प्राप्त किया जा सकता है और इस प्रयोजन के लिए सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अन्तर्गत स्वायत्त सोसायटी ही अच्छी एजेंसी के रूप में सिद्ध होगी।

अतः एतद् द्वारा निम्नलिखित पारित किया गया है :—

1. एक नेहरू युवा केन्द्र संगठन होगा जिसका इस समय मुख्यालय जवाहरलाल नेहरू, स्टेडियम, नई दिल्ली में होगा। संगठन के निम्नलिखित लक्ष्य होंगे :—

- (i) इस समय के ने० यु० के० को लेना, उनका प्रबन्ध, प्रशासन और संचालन करना;

- (ii) भारत में किसी भी स्थान के नए ने० यु० केन्द्रों की स्थापना, संचालन, प्रबन्ध और प्रशासन करना और उनके कार्य का मूल्यांकन करना;
- (iii) युवाओं में राष्ट्रीय एकीकरण, भाईचारे और धर्म निरपेक्षता की धारणा विकसित करना और उसे बढ़ावा देना;
- (iv) युवाओं को ऐसे कार्यक्रमों में शामिल करना जिसमें युवा नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम, सामुदायिक गान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कार्य शिक्षा, खेल कार्यक्रम, स्वयं सहायता कार्यक्रम, शारीरिक तथा प्रौढ़ शिक्षा, चरित निर्माण और सहायता प्राप्त करने आदि के आयोजन में सहायता मिलेगी।
- (v) युवाओं को संगठित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई० आर० डी० पी०) स्वयं रोजगार के लिए ग्रामीण युवाओं का प्रशिक्षण (ट्राइसम), स्वयं रोजगार, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण कार्यक्रम और प्रौढ़ शिक्षा आदि जैसे सरकार के विभिन्न विभागों/एजेंसियों द्वारा संचालित कार्यक्रमों के साथ जोड़ने के लिए समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करना।
- (vi) ग्रामीण युवाओं में जागरूकता पैदा करना और उन्हें विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रमों से लाभ उठाने के लिए अपेक्षित मार्ग-दर्शन प्रदान करना।
- (vii) कार्यकर्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना ताकि उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न विभागों/एजेंसियों की योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी दी जा सके।
- (viii) भारत के किसी भी भाग में संगठन के क्षेत्रीय कार्यन्वयकों की स्थापना, संचालन, प्रबन्ध और प्रशासन करना;
- (ix) प्रशान्तिक, तकनीकी और गैर-तकनीकी तथा अन्य पदों का सृजन करना और उसके बाद उनकी नियुक्तियाँ, पदोन्नतियाँ और स्थानान्तरण करना;
- (x) इनके लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों, संघ शासित प्रशासनों और भारत में तथा भारत से बाहर अन्य संगठनों के साथ सहयोग करना;
- (xi) सभी मामलों में भारत सरकार को, अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत स्वयं अथवा सरकार द्वारा हस्तान्तरण पर सलाह देना;
- (xii) युवाओं के क्षेत्र तथा सम्बद्ध मामलों में सेमिनारों, सम्मेलनों आदि का आयोजन, प्रायोजन और वित्त पोषण करना;
- (xiii) युवाओं से सम्बन्धित पत्रिकाओं और साहित्य का प्रकाशन शुरू करना; प्रायोजित करना और उसे प्रोत्साहित करना;
- (xiv) इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए पुरस्कार और वजीफे शुरू करना और उन्हें देना।
- (xv) जैसा उचित समझा जाए बोर्डों, समितियों या अन्य निकायों का गठन करना और उनके अधिकार, कार्य और अवधि आदि निर्धारित करना;
- (xvi) दान, अनुदान और उधार स्वीकार और एकत्र करना तथा किसी भी स्थायी निधि या न्याय का प्रबन्ध करना और इन लक्ष्यों के प्रयोजनार्थ दान, अनुदान तथा उधार देना;
- (xvii) संगठन की चल और अचल सम्पत्ति की जमानत से या बिना जमानत के धन एकत्रित करना या ऋण लेना, बशर्ते कि इस सम्बन्ध में भारत सरकार से पूर्व स्वीकृति ले ली गई हो;
- (xviii) चल और अचल सम्पत्ति को पट्टे पर या किराए पर लेने-बेचने या स्वामी होने, तथा ऐसी चल और अचल सम्पत्ति बेचने, गिरवी रखने, स्थानान्तरित करने या निपटाने परन्तु ऐसी अचल सम्पत्ति के बारे में भारत सरकार से पूर्व स्वीकृति लेनी होगी;
- (xix) संगठन के कार्यों के संचालन के लिए नियम और विनियम बनाना तथा उनमें समय-समय पर जोड़ना संशोधन करना, बदलना या निधारण करना;
- (xx) "कोष" की देखभाल करना और यह संगठन के पास रहेगा;
- (xxi) इनके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सामान्य तौर पर समय-समय पर ऐसे सभी उपाय किए जायेंगे जिन्हें आवश्यक समझा जाएगा; और
- (xxii) ऐसे सभी कार्यों और वस्तुओं को करना जिन्हें संगठन उपरोक्त उद्देश्यों या उनमें से किसी एक की प्राप्ति या बढ़ाने के लिए उन्हें प्रेरक या प्रासंगिक के रूप में आवश्यक समझे।
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन सोसायटीज पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया है। संगठन सोसायटी/शासी बोर्ड में निम्नलिखित शामिल होंगे :—
- (i) प्रभारी राज्य मंत्री, अध्यक्ष
युवा कार्यक्रम और खेल (पदेन)
- (ii) सरकार द्वारा नामित लोक सभा के सदस्य दो संसद सदस्य
- (iii) सदस्य
- (iv) संसद का एक सदस्य राज्य सभा से सरकार द्वारा नामित — सदस्य
- (v) संस्कृति के क्षेत्र में प्रसिद्ध — सदस्य
एक व्यक्ति
- (vi) संगठन के महा-निदेशक — सदस्य सचिव
(पदेन)

संगठन के सदस्यों में से एक सदस्य सरकार द्वारा इनके उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया जा सकता है।

संगठन सोसायटी के अध्यक्ष संगठन की बैठकों में भाग लेने के लिए तीन व्यक्तियों तक को विशेष अतिथियों के रूप में आमंत्रित कर सकता है।

3. उपरोक्त संगठन का प्रशासन और प्रबन्ध निम्नलिखित प्राधिकारियों के पास रहेगा :—

(क) शामी बोर्ड

(ख) अध्यक्ष

(ग) महानिदेशक

(घ) ऐसे अन्य निकाय/समितियाँ जो संगठन द्वारा गठित या नियुक्त तथा यथा घोषित की गई हों।

4. संगठन का महानिदेशक जो भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा वह संगठन का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होगा।

5. पदेन सदस्यों के अलावा संगठन के सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्षों के लिए होगा।

6. यदि किसी भी समय संगठन के पहले अध्यक्ष, अध्यक्ष नहीं रहते तो ऐसी शर्तों पर तथा ऐसी अवधि जो निश्चित की गई हो, के लिए केवल सरकार को ही संगठन के नए अध्यक्ष को नामित करने के अधिकार हैं।

7. संगठन सरकार की स्वीकृति से अपने कारोबार को चलाने तथा अपने कार्यों के प्रबन्ध के लिए नियम तथा विनियम बनाएगा।

8. नेहरू युवा केन्द्र संगठन घाटा पूरा करने के आधार पर पूर्णतः भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित होगा और इस प्रयोजनार्थ सरकार द्वारा सहायक अनुदान के रूप में राशि उपलब्ध कराई जायेगी।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और सभी संबंधितों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित प्रशासनों को भेजी जाए।

आर० गोपालास्वामी, सचिव

महिला एवं बाल विकास विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1987

सं० 4-40/85-ए० टी०—बाल कल्याण एवं विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों में रत एक राष्ट्रीय स्तर के स्वयंसेवी, संगठन, भारतीय बाल कल्याण परिषद, के जो भारत सरकार से पर्याप्त अनुदान गृहायता प्राप्त कर रहा है, कार्यकरण की जांच करने के लिए भारत के भूतपूर्व नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक, श्री ज्ञानप्रकाश की अध्यक्षता में एक वर्ष के लिए एक समीक्षा समिति के गठन सम्बन्धी संकल्प, के जो इस

विभाग द्वारा, 27-1-86 को जारी किया गया था, क्रम में राष्ट्रपति, इन समिति के कार्यकाल का 2 महीने अर्थात् 31 मार्च 1987 तक विस्तार करने हैं। समिति की अन्य शर्तें वही रहेंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

मुमन नायर, अवसर सचिव

संचार मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 12 फरवरी 1987

संकल्प

सं० यू-55021/1/86-फैक्ट्री—दूर संचार प्रौद्योगिकी विकास परिषद (टी० टी० डी० सी०), का गठन एवं परिवर्धन करने वाले इस मंत्रालय का दिनांक 21-2-1978 के संकल्प संख्या यू-55021/1/78-फैक्ट्री, दिनांक 30-6-1984 के संकल्प संख्या यू-34011/1/84-फैक्ट्री और दिनांक 6-2-1986 के संकल्प संख्या यू-55021/1/86-फैक्ट्री को देखिए। निम्नलिखित को शामिल करते हुए इस परिषद को एतद् द्वारा और परिवर्धन किया जाता है :—

(i) निदेशक, एल० आर० डी० ई०,

(इलैक्ट्रॉनिक्स एवं राडार विकास स्थापना)

परिसर

रक्षा मंत्रालय

(ii) निदेशक डी० ई० ए० एल०

(रक्षा इलैक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला)

परिसर।

2. इस संशोधन के साथ परिषद में सदस्यों की संख्या सदस्य-सचिव, जो दूर संचार अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली, के निदेशक रहेंगे, सहित अब उन्नीस हो जाएगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि कि यह संकल्प, भारत के असाधारण राजपत्र के भाग-1, खण्ड-1 में प्रकाशित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रतिलिपि भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों, राज्य सरकारों/संघीय प्रदेशों, के प्रशासनों और सभी संबंधित को भेजी जाए।

श्री शंकर शरण, अपर सचिव

दूर-संचार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 फरवरी 1987

संकल्प

सं० 13-15/84-एम० एम० डी (खण्ड-11)—दूर संचार विभाग के दिनांक 26-11-1986 के इसी संख्या वाले संकल्प के क्रम में भारत सरकार ने अब निर्णय लिया है कि उन संकल्प

के अन्तर्गत गठित एक-सदस्यीय समिति की कार्य अवधि 31 मार्च, 1987 तक होगी। तथापि समिति के विचारार्थ विषय तथा अन्य शर्तें यथापूर्व रहेंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति लोक लेखा समिति, नई दिल्ली को विभिन्न एकसूत्रियों के लिए फ़ासबार टेलीफोन उपस्कर की खरीद पर हुए अतिरिक्त खर्च के बारे में 53 वीं रिपोर्ट (1986-87) आठवीं लोक सभा में दी गई उनकी विचारों के संदर्भ में नियन्त्रण एवं महा लेखागार, नई दिल्ली तथा अन्य संबंधितों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को ग्राम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

ईश्वर चन्द,

सहायक महा निवेशक (एम०टी०)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी, 1987

संकल्प

सं० यू-23013/23/86-एल० डब्ल्यू०—देश में मैगनीज खानों में ठेका श्रम पद्धति के कार्यकरण के प्रश्न पर विचार करने के लिए एक समिति के गठन से संबंधित श्रम मंत्रालय के तारीख 27 मई, 1986 के संकल्प संख्या यू-23013/11/84-एल० डब्ल्यू० का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार क्षेत्रीय श्रमायुक्त, (केन्द्रीय) चण्डीगढ़ के स्थान पर क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), बंकलौर को नामित करती है तथा निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त संकल्प में “क्षेत्रीय श्रमायुक्त, (केन्द्रीय) कोठी संख्या 155, सैक्टर 38-ए, चण्डीगढ़ सदस्य संयोजक” शब्दों और अंकों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय),

6/7, त्रीसेन्ट रोड, हार्डि ग्राउण्ड्स,

बंगलौर-500 001”

—सदस्य संयोजक

आदेश

संकल्प की प्रतियां निम्नलिखित को भेजी जाय :—

1. केन्द्रीय ठेका श्रम सलाहकार बोर्ड के सभी सदस्य।
2. इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (इस्पात विभाग), नई दिल्ली।
3. इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (खान विभाग), नई दिल्ली।
4. स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लि०, इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली -110003
5. क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), कोठी सं०-155, सैक्टर-38-ए, चण्डीगढ़।
6. क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), 6/7, त्रीसेन्ट रोड, हार्डि ग्राउण्ड्स, बंगलौर-500001, दिनांक 22-1-1986, 27-5-1986 तथा 11-9-86 के संकल्पों

की एक-एक प्रति सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु संलग्न है।

7. मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली को उनकी तारीख 11/18 नवम्बर, 1986 की टिप्पणी संख्या 1780/एल० एस०—III के संदर्भ में।

8. मैगनीज खान समिति के सभी सदस्य। संलग्न सूची के अनुसार।

यह भी आदेश दिया जाता है कि उक्त संकल्प की प्रति भारत के राजपत्र, भाग 1, खण्ड-1 में प्रकाशित की जाय।

पी० बी० महिषी

उप सचिव, भारत सरकार

तथा सचिव, केन्द्रीय ठेका

श्रम सलाहकार बोर्ड

देश में मैगनीज खानों में ठेका श्रम पद्धति के कार्यकरण के प्रश्न पर विचार करने के लिए समिति का गठन :

1. श्री ए० एच० धर्माधिकारी,
उप महा प्रबन्धक (तकनीकी),
मैगनीज अयस्क (इंडिया) लि०,
3. माउन्ट आनू एक्सप्लोरेशन,
नागपुर-440001
2. श्री एस० के० सन्यालय,
कार्यकारी अध्यक्ष,
इंडियन माइन्स वर्कर्स, फेडरेशन,
बोरनाला, नागपुर-13
3. श्री एस० दास गुप्ता,
जनरल सेक्रेटरी,
इंडियन नेशनल माइन्स वर्कर्स फेडरेशन,
राजेन्द्र पथ, कतरास रोड,
धनबाद।
4. श्री सुरेश चन्द,
प्रादेशिक खान नियन्त्रक,
इंडियन म्यूरो आफ माइन्स,
न्यू सेकरीटारियेट, बिल्डिंग, नागपुर।
5. श्री खालिक,
मुख्य कार्मिक प्रबन्धक,
राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लि०,
(भारत सरकार का उपक्रम)
10-3-311/ए, कैसल हिल्स,
नसाव टैंक, हैवराबाद-500028
6. श्री बी० जे० त्रिवेदी,
जे० ए० त्रिवेदी ब्रादर्स,
पोस्ट बाक्स संख्या 1, मैन रोड,
बालाघाट-481001, मध्य प्रदेश।
7. क्षेत्रीय श्रमायुक्त, (केन्द्रीय),
6/7, त्रीसेन्ट रोड, हार्डि ग्राउण्ड्स,
बंगलौर-500001

सदस्य संयोजक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1987

संकल्प

सं० 5/1/75-एड/आई० पी० एंड एम० सी०—प्रकाशन विभाग को इसके प्रकाशन कार्यक्रमों से संबंधित मामलों में सलाह देने के लिए विभाग के नीचे दिए गए पुनः उद्धृत घोषणापत्र के दायरे के अन्तर्गत एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया है :—

“देश और विदेश में सामान्य जनता को भारत के बारे में सही और अद्यतन जानकारी देने की दृष्टि से देश के अन्दर और विदेशों में प्रचारार्थ राष्ट्रीय महत्व के विषय पर लोक प्रिय पैम्फलेटों, पुस्तकों और पत्रिकाओं के प्रकाशन, बिक्री और वितरण का कार्य करना।”

इस सलाहकार समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

- | | |
|--|--------------|
| 1. प्रो० विपिन चन्द्र,
सेंटर फार हिस्टोरिकल स्टडीज,
स्कूल ऑफ सोशल साइन्सेस,
जवाहरलाल नेहरू विषयविद्यालय,
नई दिल्ली-110067 | अध्यक्ष |
| 2. प्रो० वाई० जी० फड़के,
समाज विज्ञान के प्रोफेसर,
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेस,
पो० ब्रा० वाक्स संख्या 8313,
देव नगर, बम्बई-400088 | सदस्य |
| 3. श्रीमती महाश्वेता देवी,
18- बालीगंज, स्टेशन, रोड,
कलकत्ता-700019 | सदस्य |
| 4. श्री विष्णु प्रभाकर,
818, कुडे बालान,
अजमेर गेट, दिल्ली-110006 | सदस्य |
| 5. श्री करतार सिंह बुगल,
पी-7, हीज खास, एन्कलेव,
नई दिल्ली-110016 | सदस्य |
| 6. डा० दशरथी, डी० लिट्,
104 (सी-ब्लाक), मातुश्री फ्लैट्स,
हैदराबाद, हैदराबाद-500029 | सदस्य |
| 7. निवेशक, प्रकाशन विभाग,
पटियाला हाऊस,
नई दिल्ली-110001 | सदस्य संयोजक |

2. समिति के विचारणीय विषयों में प्रकाशन विभाग को निम्नलिखित पर परामर्श देना होगा :—

- (क) प्रकाशन के लिए प्रकाशन विभाग के घोषणा पत्र से संगत विषय वस्तुओं और विषयों का चयन;

(ख) शीर्षकों और जिस भाषा में शीर्षक प्रकाशित होने हैं उसका चयन;

(ग) लेखकों का चयन;

(घ) जहां पर कृति का ऐसी भाषा से भिन्न भाषा में अनुवाद होना हो जिसमें यह मूल रूप में प्रकाशित हो, वहां अनुवादकों का चयन;

(ङ) प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित “जर्नेलों” की गुणवत्ता में सुधार;

(च) कोई भी ऐसा अन्य सम्बन्धित मामला जो सरकार द्वारा सलाह देने के लिए समिति को सौंपा जाए।

3. विषय-वस्तु, विषय, शीर्षक और भाषा आदि का चयन करते समय समिति प्रकाशित की जाने वाली पुस्तकों की विक्रयशीलता को भी विधिवत् ध्यान में रखेगी।

4. सलाहकार समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और इसकी बैठक सामान्यतः प्रत्येक तिमाही में एक बार होगी।

5. सलाहकार समिति अपनी स्वयं की प्रक्रिया निर्धारित करेगी।

6. समिति का कार्यकाल एक वर्ष की अवधि के लिए होगा।

7. सलाहकार समिति की बैठकों के सम्बन्ध में यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते पर होने वाले व्यय को सूचना और प्रसारण मंत्रालय/मूल विभाग जिससे सदस्य सम्बन्धित हैं, द्वारा वहन किया जाएगा।

8. गैर सरकारी सदस्य वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय-समय पर यथासंशोधित कार्यालय जापन संख्या 6/26/ई-4/59, दिनांक 5 सितम्बर, 1960 के अनुसार बकायों और दैनिक भत्ते के हकदार होंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है इस संकल्प की एक प्रति सलाहकार समिति के अध्यक्ष/सदस्यों, प्रधान मंत्री के कार्यालय, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्व-साधारण की जानकारी के लिए भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० एस० बैकवान
संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

New Delhi-110 001, the 16th February 1987

No. 17-39, 85-1 D.1.—In exercise of the powers conferred by Article 15 of the Articles of Association of the Hindustan Packaging Company Limited, Baroda the President is pleased to constitute the Board of Directors of the Hindustan Packaging Company Limited, Baroda for a period of three years with immediate effect or until further orders, whichever is earlier, as follows:—

- | | |
|--|--------------------|
| (1) Dr. V. Kurien,
Chairman,
Indian Dairy Corporation/
National Dairy Development
Board. | Part-time Chairman |
| (2) Joint Secretary (DD),
Deptt. of Agri. & Coopn. | Part-time Director |
| (3) Mr. Bengt Sjogren,
Alternate : Shri K. K. Khosla
(nominee of Tetra Pack
Development Ltd. under
Article 15(iv) of the
Articles of Association of
the Hindustan Packaging
Company Limited). | Part-time Director |
| (4) Dr. R. P. Aneja,
Managing Director
Indian Dairy Corporation.
Dr. R. P. Aneja will also be Director-Incharge
on <i>ad-hoc</i> basis till the appointment of the
regular Managing Director. | Part-time Director |

K. G. KRISHNA MOORTHY, Dy. Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS)

New Delhi, the 25th February 1987

RESOLUTION

SUBJECT :—*Establishment of Nehru Yuva Kendra Sangathan*

No. F.24-1/87-NYK.—WHEREAS the scheme of one Nehru Yuva Kendra for each District started in 1972 has been found to be very useful in initiating and formulating programmes to involve the rural youth who do not have otherwise opportunities for participation in programmes of self, social and national development;

AND WHEREAS the youth population in the age group of 15-35 years in the country has been increasing and is now about one-third of the total population necessitating increased thrust on providing more opportunities to youth in different areas;

AND WHEREAS the implementation of the scheme of Nehru Yuva Kendras has brought out the successful role which can be played by the Kendras in the process of social transformation in rural areas and in preserving, promoting and developing concept of Unity and national integration, discipline, self-help, secularism, democracy, scientific temper, cultural heritage, functional literacy, building awareness amongst the rural youth and in providing avenues to the youth to strive towards excellence in all sphere of activity;

AND WHEREAS there is a growing need for developing, improving and broad-basing the youth programmes now being implemented for the rural youth through Nehru Yuva Kendras at the district level throughout the country and also devising and providing new opportunities for the youth in sports, adventure and other youth development programmes;

AND WHEREAS for this purpose a suitable mechanism to supervise, administer, monitor and evaluate the programmes of the Nehru Yuva Kendras in the country has to be evolved;

AND WHEREAS Government are satisfied that this objective could best be achieved through the establishment of a

well knit organisational structure with necessary resource and flexibility and for this purpose an autonomous society under the Societies Registration Act of 1860 would be the best agency;

IT IS THEREFORE HEREBY RESOLVED AS FOLLOWS:

(1) There shall be a NEHRU YUVA KENDRA SANGATHAN with its Headquarters at present at the Jawaharlal Nehru Stadium, New Delhi. The Sangathan shall have the following objects:—

- (i) To take over, manage, administer and run the existing Nehru Yuva Kendras;
- (ii) To establish, run, manage and administer new Nehru Yuva Kendras anywhere in India and evaluate their working;
- (iii) To promote and develop the concept of national integration, solidarity and secularism among the youth;
- (iv) To involve the youth in programmes that would facilitate the organisation of youth leadership training programme, community singing, cultural activities, Work Camps, Sports activities, Self-help programmes, Physical and Adult Education, character building and Co-operative movement etc.
- (v) To function as a co-ordinating agency to link the youth with various departments/agencies of the Government administering programmes like Integrated Rural Development Programme (IRDP), Training of Rural Youth for Self Employment (TRYSEM), Self-Employment, Health and Family Welfare Programmes, Adult Education etc.;
- (vi) To create an awareness among the rural youth and providing them necessary guidance for taking advantage of various rural development programmes;
- (vii) To organise special training programmes for the functionaries in order to familiarise them with the programmes/schemes of various departments/agencies being implemented in rural areas;
- (viii) To establish, run, manage and administer Regional Offices of Sangathan anywhere in India;
- (ix) To create administrative, technical and non-technical and other posts and to make appointments, promotions and transfer thereto;
- (x) To collaborate with State Governments, Union Territory Administrations and other Organisations in and outside India for furtherance of its objectives;
- (xi) To advise the Government of India on all matters within its purview either suo-motto or on a reference from the Government;
- (xii) To organise, sponsor, and finance seminars, conferences etc. in the field of youth and allied matters;
- (xiii) To undertake, sponsor and encourage publication of journals and literature relating to youth;
- (xiv) To institute, offer and grant prizes, awards and stipends in the implementation of these objects;
- (xv) To constitute Boards, Committees or other bodies as may be deemed fit and to prescribe their powers, functions, tenure etc.;
- (xvi) To accept and collect donations, grants and gifts and to undertake management of any endowment or trust and to make donations, grants and gifts for the purpose of these objects;
- (xvii) To borrow and raise money with or without security of moveable and immovable properties belonging to the Sangathan provided that the prior approval of the Government of India is obtained in that behalf;
- (xviii) To acquire, purchase or otherwise own, take on lease or hire, moveable and immovable properties and to sell, mortgage, transfer or otherwise dispose of any such moveable or immovable properties, but the prior approval of the Government of India in respect of such immovable properties shall be obtained;

- (xix) To make Rules and Regulations for the conduct of the affairs of the Sangathan and to add, amend, vary or repeal them from time to time;
- (xx) To maintain a 'Fund' which shall be vested in the Sangathan;
- (xxi) Generally to take all such measures as may be found necessary from time to time to achieve its objectives; and
- (xxii) To do all such acts and things as the Sangathan may consider necessary conducive or incidental to the attainment or enlargement of the aforesaid objects or any one of them.

(2) The Nehru Yuva Kendra Sangathan has been registered as a Society under the Societies' Registration Act of 1860. The Sangathan Society/Board of Governors shall comprise the following :—

Chairperson (ex-officio)

- (i) Minister of State incharge of Youth Affairs and Sports

Members

- (ii) & (iii) Two Members of Parliament, Lok Sabha nominated by the Government
- (iv) One Member of Parliament, Rajya Sabha nominated by the Government
- (v) One person eminent in the field of Culture
Member Secretary (ex-officio)
- (vi) Director-General of the Sangathan

One of the members of the Sangathan may be nominated by Government to be its Vice-Chairperson.

The Chairperson of the Sangathan Society may invite upto three persons to attend the meetings of the Sangathan, as special invitees.

(3) The administration and management of the aforesaid Sangathan shall vest in the following authorities :—

- (a) Board of Governors
- (b) Chairperson
- (c) Director General
- (d) Such other bodies/Committees as may be constituted or appointed by the Sangathan and declared as such.

(4) The Director General of the Sangathan who will be appointed by the Government of India, will be the Chief Executive Officer of the Sangathan.

(5) The term of members of the Sangathan other than ex-officio members shall be three years.

(6) In the event of the first Chairperson ceasing to be the Chairperson of the Sangathan at any time, the Government of India alone shall have the right to nominate a new Chairperson of the Sangathan on such terms and conditions and for such period as it may determine.

(7) The Sangathan, shall subject to the approval of the Government of India make rules and regulations for the conduct of its business and the management of its affairs.

(8) The Nehru Yuva Kendra Sangathan will be fully financed by the Government of India on 'meet the deficit' basis and for this purpose funds will be provided by the Government as grant-in-aid.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

ORDERED also that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations.

R. GOPALASWAMY
Secy.

(DEPARTMENT OF WOMEN & CHILD DEVELOPMENT)

New Delhi, the 20th February 1987

RESOLUTION

No. 440/85-AT.—In continuation of this Department's Resolution of even number dated 27-1-1986 constituting a Review Committee under the Chairmanship of Shri Ghan Prakash, Former Comptroller and Auditor General of India to go into the affairs of Indian Council for Child Welfare, a national level voluntary organisation engaged in programmes concerning child welfare and development and receiving substantial grants from the Government of India, for a term of one year, the President is pleased to extend the term of this Committee for two months viz. upto 31 March, 1987. The other terms of the Committee remain the same.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SUMAN NAYAR
Under Secy.

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

New Delhi-110 001, the 12th February 1987

RESOLUTION

No. U.55021/1/86-FAC.—Reference is invited to this Ministry's Resolution No. U.55021/1/78-FAC dated 21-2-1978, No. U.34011/1/84-FAC dated 30-6-1984 and No. U.55021/1/86-FAC dated 6-2-1986, constituting and enlarging the Telecommunication Technology Development Council (TTDC). The Council is further enlarged by including the following :—

- (i) Director, LRDE
(Electronics & Radar Development Establishment
Ministry of Defence) Member
- (ii) Director, DEAL
(Defence Electronics Application Laboratory) Member

2. The total number of members in the Council with this amendment will now become nineteen including the Member-Secretary, who will continue to be the Director, Telecommunications Research Centre, New Delhi.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-I, Section-I.

ORDERED also that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India, Public Sector Undertakings, State Governments/Administrations of Union Territories and all other concerned.

SHREE SHANKAR SHARAN
Addl. Secy.

DEPARTMENT OF TELECOMMUNICATIONS

New Delhi-110001, the 24th February 1987

RESOLUTION

No. 13-15/84-MMD (Vol.II).—In continuation of Department of Telecommunications Resolution of even number dated 26th November, 1986, the Government of India have now decided that the term of one-man Committee constituted vide that resolution will be upto 31st March, 1987. The terms of reference of the Committee and the other conditions, however, remain unchanged.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the Public Accounts Committee, New Delhi with reference to their recommendations in 53rd Report (1986-87)—8th Lok Sabha regarding extra expenditure on purchase of Crossbar Telephone equipment for various Exchanges; the C&A.G., New Delhi and others concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ISHWAR CHANDER
Asstt. Director General (MT)

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd February 1987

RESOLUTION

No. U-23013, 23/86-LW(.)—In supersession of the Ministry of Labour's Resolution No. U-23013/11/84-LW dated the 27th May, 1986 relating to the constitution of a Committee to go into the question of working of contract labour system in Manganese Mines in the country, Central Government hereby nominates Regional Labour Commissioner (Central), Bangalore *vice* Regional Labour Commissioner (Central), Chandigarh and makes the following amendments, namely :—

In the said Resolution for the words and letters "Regional Labour Commissioner (Central), Kothi No. 155, Sector 38-A, Chandigarh-Member Convener", the following shall be substituted, namely :—

"Regional Labour Commissioner (Central),
6/7, Crescent Road, Highgrounds,
Bangalore-500001. Member-Convener

ORDER

Copies of the Resolution may be sent to :—

1. All members of the Central Advisory Contract Labour Board.
2. The Ministry of Steel, Mines and Coal (Deptt. of Steel), New Delhi.
3. The Ministry of Steel, Mines and Coal (Deptt. of Mines), New Delhi.
4. The Steel Authority of India Limited, Ispat Bhawan, Lodi Road, New Delhi-110003.
5. Regional Labour Commissioner (Central), Kothi No. 155, Sector 38-A, Chandigarh.
6. Regional Labour Commissioner (Central), 6/7, Crescent Road, Highgrounds, Bangalore-500001. A copy each of Resolutions dated the 22-1-1986, 27-5-86 and 11-9-86 are enclosed for information and necessary action.
7. The Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi with reference to his Note No. 1780/LS.III dated 11th/18th November, 1986.
8. All members of the Committee of Manganese Mines (As per list attached).

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India, Part-I, Section-I.

P. B. MAHISHI,
Dy. Secy.
and Secy. to the Central Advisory
Contract Labour Board

Composition of the Committee to go into the question of working of contract labour system in Manganese Mines in the country.

1. Shri A. H. Dharmadhikari,
Deputy General Manager (Tech.),
Manganese Ore (India) Ltd.,
3, Mount Road Extension,
Nagpur-440001.
2. Shri S. K. Sanyal,
Working President,
Indian Mines Workers Federation,
Bornala, Nagpur-440013.
3. Shri S. Das Gupta,
General Secretary,
Indian National Mines Workers' Federation,
Rajendra Path, Katras Road,
Dhanbad.

4. Shri Suresh Chand,
Regional Controller of Mines,
Indian Bureau of Mines,
New Sectt. Building, Nagpur.
5. Shri A. Khalique,
Chief Personnel Manager,
National Mineral Development Corporation Ltd.
(A Govt. of India Undertaking),
10-3-311/A, Castle Hills,
Nasab Tank, Hyderabad-500028.
6. Shri V. I. Trivedi, J. A. Trivedi Bros.
Post Box No. 1, Main Road,
Palaghat-481001, Madhya Pradesh.
7. Regional Labour Commissioner (Central),
6/7, Crescent Road, High Grounds,
Bangalore-500 001. —Member-Convener

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 23rd February 1987

RESOLUTION

No. 5/1/85-Ed/IP&MC.—It has been decided to constitute a Committee to advise the Publications Division on matters relating to its publication programmes within the framework of the Charter of the Division as reproduced below :

"Production, sale and distribution of popular pamphlets, books and journals on matters of national importance for internal as well as external publicity with a view to imparting to general public at home and abroad up-to-date and correct information about India".

The Advisory Committee will consist of :—

CHAIRMAN

1. Prof. Bipin Chandra,
Centre for Historical Studies,
School of Social Sciences,
Jawaharlal Nehru University
New Delhi-110067.

MEMBERS

2. Prof. Y. D. Phadke,
Professor of Social Sciences,
Tata Institute of Social Sciences,
P.O. Box No. 8313,
Deonar, Bombay-400 088.
3. Smt. Mahasweta Devi,
18-A, Ballygunge Station Road,
Calcutta-700 019.
4. Shri Vishnu Prabhakar,
818, Kundewalan,
Ajmeri Gate,
Delhi-110 006.
5. Shri Kartar Singh Duggal,
P-7, Hauz Khas Enclave,
New Delhi-110 016.
6. Dr. Dasarathi, D. Litt.
104 (C-Block)
Matrusri Flats, Hyderguda,
Hyderabad-500 029.

MEMBER-CONVENOR

7. Director, Publications Division,
Patiala House,
New Delhi-110 001.

(2) The terms of reference of the Committee will be to advise the Publications Division on—

- (a) Themes and topics to be taken up for publication consistent with the charter of the Publications Division;
- (b) Selection of titles and the languages in which the titles are to be published;
- (c) Selection of authors;

- (d) Selection of translators where any work is required to be translated in language other than in which it is originally published;
 - (e) Improvement in the quality of the journals published by the Publications Division;
 - (f) Any other related matter that may be referred to the Committee by the Government for advice.
- (3) While selecting themes, topics, titles and language etc., the Committee will duly keep in mind the saleability of the books to be brought out.
- (4) The Advisory Committee will have its headquarters at New Delhi and will ordinarily meet once every quarter.
- (5) The Advisory Committee may evolve its own procedure.
- (6) The tenure of the Committee will be for a period of ~~one~~ year.

(7) The expenditure on TA/DA in connection with the meetings of the Advisory Committee will be borne by the Ministry of Information & Broadcasting/parent Department to which the Member belongs.

(8) The non-official Members will be entitled to travelling and daily allowance in accordance with the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. 6/26/E.IV/59 dated 5th September, 1960 as amended from time to time.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the Chairman/Members of the Advisory Committee, Prime Minister's Office, all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. S. BAIDWAN
Jt. Secy.

